

2021

Time : 3 hours

Full Marks : 100

Pass Marks : 45

Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable.

परीक्षार्थी यथासंभव अपने शब्दों में ही उत्तर दें ।

The figures in the margin indicate full marks.

उपांत के अंक पूर्णांक के द्योतक हैं ।

Answer all questions.

सभी प्रश्नों के उत्तर दें ।

1. अधोलिखित मंत्रों में से किन्हीं चार की व्याख्या संस्कृत में कीजिए : 10×4 = 40

(क) अग्निः पूर्वेभिर्ऋषिभिरीड्यो नूतनैरुत ।

स देवाँ एह वक्षति ॥

(ख) अग्ने यं यज्ञमध्वरं विशततः परिभूरसि ।

स इद्देतेषु गच्छति ॥

(ग) यः पृथिवी व्यवामानामदृंहद्य मर्वतान्प्रकुपिताँ दारम्णात् ।

यो अन्तरिक्ष तिममे तरीयो याद्यामस्तऽनात्रा जनासः इन्द्रः ॥

(घ) येनेमा विश्वा च्यवना कृतानि यो द्वारा वर्णमधर गुहावः ।

श्वहंजीव यो जिगांता लक्षणाददर्शः पुष्टानि स जनासः इन्द्रः ॥

(ङ) सूर्यो देवीमुषसं रोचमानां मर्त्यो न योषामभ्येति पश्चात् ।

यत्रा नरो देवयन्तो युगानि वितन्तते प्रति भद्राय भद्रम् ॥

(च) इदमुत्यत्पुरुतमं पुरस्ताज्ज्योतिस्तगंसो वगुनावदस्थात् ।

नूनं दिवो दुहितरो विभातीर्गातुं कृणवन्नुषसो जनाय ॥

(छ) आ कृष्णेन रजसा वर्तमानो निवेशयन्मतं मत्यै च ।

हिरण्ययेन सविता रथेना देवो याति भुवनानि ॥

(ज) यस्य श्री पूर्णा मधुना पदान्य अक्षीयमाणा स्वधेया मदन्ति ।

य उ त्रिधातु पृथिवीमुतद्याम् एको दाधार भुवनानि विश्वा ॥

2. अधोलिखित देवों में से किसी एक के स्वरूप का परिचय दीजिए :

15

(क) अग्नि

(ख) इन्द्र

(ग) सविता

3. कठोपनिषद् के आधार पर श्रेय एवं प्रेय का वर्णन कीजिए ।

15

अथवा

‘कठोपनिषद्’ के द्वितीय वल्ली का सारांश लिखिए ।

4. सामवेद की विषयवस्तु पर प्रकाश डालें ।

15

अथवा

अथर्ववेद की विषयवस्तु पर प्रकाश डालें ।

5. आरण्यक साहित्य का सामान्य परिचय दीजिए ।

10

अथवा

ब्राह्मण साहित्य का संक्षेप में सारगर्भित परिचय दीजिए ।

6. ‘मति’ अथवा ‘युष्मद्’ शब्द का रूप सभी विभक्तियों एवं वचनों में लिखिए ।

5

अथवा

‘भू’ अथवा ‘दा’ धातु का रूप केवल लोटलकार के सभी पुरुषों एवं वचनों में लिखिए ।

